आईस्टार्ट से जुड़ विद्यार्थी बनेंगे उद्यमी

जयपुर । आईस्टार्ट कार्यक्रम का स्कूलों में विस्तार कर छात्र उद्यमियों के विचारों, डिजाइन, सोच, नवाचार और उद्यमशीलता की मानसिकता का विकास किया जाएगा। इसके लिए यहां सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग (डी.ओ.आई.टी.) के सभागार में राज्य के 66 संरक्षक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त संदेश नायक ने बताया कि राज्य सरकार एक समग्र स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में अनुकूल वातावरण बनाने के लिए विभिन्न पहल कर रही है। नवाचार को बढ़ावा देने, रोजगार सृजित करने और राज्य में निवेश की सुविधा के लिए आईस्टार्ट प्रमुख कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार स्कूली छात्रों में उद्यमिता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के लिए 'स्कूल स्टार्टअप' पहल को शामिल कर आईस्टार्ट कार्यक्रम का विस्तार किया जा रहा है। इससे स्कूली छात्रों में उद्यमशीलता की मानसिकता आत्मसात होने के साथ उन्हें भविष्य के उद्यमी के रूप में ठोस आधार मिल सकेगा। नायक ने बताया कि स्कूलों में नवाचार के निर्माण की दिशा में पहले कदम के रूप में शिक्षा विभाग, डी.ओ.आई.टी. और यूनिसेफ की ओर से संरक्षक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के नौ शैक्षिक संभागों में इन्क्यूबेशन केंद्रों की स्थापना और संचालन की प्रक्रिया जारी है। टेक्नो हब जयपुर की देखरेख में जोधपुर, भरतपुर, बीकानेर, अजमेर, कोटा, उदयपुर, पाली और चुरू इन्क्यूबेशन सेंटर हब और स्पोक मॉडल के रूप में छात्रों को उद्यमिता और नवाचार के पहलुओं पर प्रशिक्षण देंगे।